E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र – १

परीक्षा : मई – २०२४

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: २५/०५/२०२४ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को विशद कीजिए ।

प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास की चरित्र योजना को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए, इसमें वर्णित समस्याओं को रेखांकित कीजिए ।

प्र. ४ 'एक शुरुआत' कहानी में वर्णित समुद्र यात्रा एवं लेखक के विचारों का विवेचन कीजिए ।

प्र. ५ 'पेपर वेट' कहानी में चित्रित राजनीतिक परिवेश और व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'दायरा' कहानी में अभिव्यक्त मध्यवर्गीय परिवार की स्थिति पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ कर्मयोग शास्त्र में विवेचित तीन पंथो को विशद कीजिए ।

प्र. ८ कर्मयोग शास्त्र में वर्णित धर्म और अधर्म के निर्णय को स्पष्ट करते हुए, जीवन में संतुलन के तात्पर्य को विश्लेषित कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) सिर्फ सचाई आदमी को कुछ नहीं दे पाती, सचाई को सामने लाने के लिए भी जोर और ताकद की जरुरत होती है ।

२) अरे मैं तो कहूं, घरवालों को कैसा बुलावा?

३) धूल में पडे किमती पत्थर को देखकर जौहरी की आँखों में एक नई झलक झिलमिल गई, अपरूप रूप ।

४) माँ से विराट मातृत्व है और वह भविष्य के लिए प्रतीक्षा कर सकती है।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) 'विपात्र' –शीर्षक

२) 'सुख' कहानी के भोलाबाबू

३) 'भेडिए' कहानी का व्यंग्य

४) कर्मयोग शास्त्र का उपदेश ।